लूकिंग बियॉन्ड द ऑप्टिक्स

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

लेखक - शंकर सुंदरमैन (प्रोफेसर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

24 नवम्बर, 2018

''भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी के लिए वियतनाम काफी महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है, इसलिए द्विपक्षीय संबंधों का निर्माण एकसमान चिंताओं पर होना चाहिए।''

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा पहली दक्षिणपूर्व एशियाई देश के रूप में वियतनाम को पसंद करना आश्चर्यजनक नहीं है। यह देश 70 से अधिक वर्षों से भारत का एक करीबी सहयोगी रहा है और यह केवल आधिकारिक राजनयिक संबंधों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वियतनाम क्षेत्रीय और व्यवस्थित स्तर पर भारत की विदेश नीति के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है।

हालांकि, श्री कोविंद की यह यात्रा राष्ट्रपति की यात्रा के सामान्य प्रक्षेपण पर प्रकाश डालता है, लेकिन हमें यह समझने की आवश्यकता है कि कैसे वियतनाम ने घरेलू और विदेशी नीति बदलावों के साथ समन्वय स्थापित किया है और भारत की प्रासंगिकता इन नीतिगत परिवर्तनों में कहाँ फिट हो सकती है?

घरेलू रूप से अपनी दोई मोई नीति, जो वर्ष 1986 में शुरू की गयी राजनीतिक और आर्थिक नवीनीकरण अभियान है, के बाद से वियतनाम ने कई कदम उठाए हैं। आज यह तेजी से बढ़ रहा है, क्षेत्रीय आर्थिक समृद्धि इसकी गणना में गतिशीलता और व्यावहारिकता दोनों को दिखा रहा है। गौरतलब हो कि पहले यह कृषि उत्पादों का आयात किया करता था और आज यह एक प्रमुख निर्यातक है।

कृषि दक्षता ने ट्रांस-पैसिफिक साझेदारी (सीपीटीपीपी/CPTPP) के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौते में वियतनाम की प्रविष्टि को बढ़ावा दिया है। वियतनाम नेशनल असेंबली ने 12 नवंबर को सीपीटीपीपी की पुष्टि करते हुए बताया है कि वैश्विक स्तर पर इसका आर्थिक प्रभाव बढ़ रहा है जिसमें वर्ष 2018 के लिए लगभग 240 अरब डॉलर तक निर्यात शामिल है।

सीपीटीपीपी की सदस्यता, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 14% है, वियतनाम के आर्थिक स्थिति को 2017-18 में 6.8% से बढ़ाकर 2030 तक 1.1% से 3.5% तक की और वृद्धि प्रदान करेगा। श्री कोविंद की यह यात्रा कृषि और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार में वर्ष 2020 तक वृद्धि की संभावना 15 बिलियन डॉलर तक है।

स्वास्थ्य का सामान्य आधार

वियतनाम और भारत दोनों के लिए संभावित अभिसरण का एक क्षेत्र स्वास्थ्य देखभाल है। 2016 में वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की 12वीं राष्ट्रीय कांग्रेस ने सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्थिक विकास को जोड़ने के महत्त्व पर प्रकाश डाला था, जिससे 80% आबादी स्वास्थ्य बीमा द्वारा कवर की जा सकेगी।

भारत भी 2011 से समाज के कमजोर वर्गों को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इंडोनेशिया ने 13 नवंबर को भारत-आसियान सेवा समझौते को मंजूरी दे दी है, नई दिल्ली क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी पर हस्ताक्षर करने के करीब है, जिससे भारत विश्व स्तर पर सेवा क्षेत्र के अग्रभाग में आ रहा है। संयुक्त सार्वजनिक-निजी साझेदारी समझौतों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अभिसरण का एक संभावित क्षेत्र दोनों देशों द्वारा खोजा जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, वियतनाम की विदेश नीति बहुआयामीवाद द्वारा वर्णित है, जो अपने हितों को प्राप्त करने के लिए राज्यों के एक व्यापक स्पेक्ट्रम में शामिल होने के लिए शक्ति संतुलन की क्षेत्रीय असममितता को संबोधित करती है। तेजी से, यह उभरती हुई शक्ति संरचना, चीन के उदय से, क्षेत्रीय और अतिरिक्त क्षेत्रीय देशों को मानक क्रम में बदलावों को संबोधित करने के लिए एक साथ ला रही है। इस संदर्भ में, वियतनाम ने यू.एस. के साथ संबंधों को सामान्यीकृत किया है।

सुरक्षा संबंधित चिंतायें

आज वियतनाम और उसके आसियान भागीदारों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के बीच सुरक्षा चिंताओं की समानता बढ़ रही है, खासकर समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में और समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुपालन में। एक पूर्व वियतनामी राष्ट्रपति, ट्रान डाई क्वांग ने इस साल की शुरुआत में भारत-एशिया-प्रशांत शब्द का समर्थन किया था।

दक्षिण चीन सागर के लगभग सारे खनिज संपन्न क्षेत्र पर चीन अपना दावा करता है और उसने पूर्वी चीन सागर में जापान के नियंत्रण वाले सेनकाकू द्वीप पर भी दावा किया है। दक्षिण चीन सागर को लेकर वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान के विपरीत दावे हैं। अमेरिका बार-बार नौवहन की आजादी सुनिश्चित करने के लिए अपने नौसैनिक जहाजों और लड़ाकू विमानों को तैनात करता रहा है।

इसी तरह, वियतनामी नेशनल असेंबली में श्री कोविंद के भाषण ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित आदेश को संदर्भित किया, जो विवादित समुद्री स्थानों पर भारत की अपनी चिंताओं को दोहराता है। भारत-एशिया-प्रशांत और यू.एस. संचालित इंडो-पैसिफिक के बीच अनुकूलता को ढूँढने के लिए एक और अधिक प्रचलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिससे क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने के विभिन्न दृष्टिकोणों के लिए लेखांकन करते समय आसियान केंद्रीयता की क्षेत्रीय चिंताओं का आकलन किया जा सकेगा। इसके अनुसरण में, दोनों देशों ने 2019 की शुरुआत में द्विपक्षीय स्तर की समुद्री सुरक्षा वार्ता की योजना बनाई है।

उप-क्षेत्रीयवाद पर ध्यान केंद्रित करें

चूंकि आसियान इस क्षेत्र में अपनी केंद्रीयता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, निस्संदेह इस बात में बदलाव आएगा कि आसियान के छोटे सदस्य चीन के उदय की केन्द्रप्रसारक ताकतों को कैसे समझते हैं। वियतनाम ने उप-क्षेत्रीयवाद और क्षेत्रीयवाद दोनों पर अपनी प्राथमिकताओं के मूल में ध्यान केंद्रित करके इन्हें कम करने में मदद की है।

भारत भी अपनी विदेश नीति को आगे बढ़ाने के लिए प्राथमिक क्षेत्र के रूप में उप-क्षेत्रीयवाद और क्षेत्रीयवाद दोनों को देखता है। मार्च-2018 का भारत-वियतनाम संयुक्त वक्तव्य उप-क्षेत्रीयवाद और मेकांग गंगा सहयोग ढांचे को दिए गए फोकस को दोहराता है।

हालांकि, सीएलवी या कंबोडिया-लाओस-वियतनाम विकास त्रिकोण उप-क्षेत्रीय सहयोग में एक और क्षेत्र उभर रहा है, जिससे इन तीन देशों को एक साथ लाया जा सकेगा। भारत और वियतनाम संयुक्त रूप से क्षमता निर्माण को बढ़ाने और इस उप-क्षेत्रीय समूह के भीतर तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करने की क्षमता का पता लगा सकते हैं।

श्री कोविंद की यात्रा से प्रमुख अधिग्रहण भारत के 'सहयोग मॉडल' से संबंधित है, जो अपने दोस्तों के लिए विकल्प और अवसर प्रदान करता है। यह संदर्भ उन मुद्दों को हल करने की भारत की इच्छा पर प्रकाश डालता है जिन पर बढ़ते सहकर्मियों को विकसित करने की आवश्यकता है।

भारत और वियतनाम दोनों में रक्षा सहयोग और आधारभूत संरचना को बढ़ावा देने वाले क्षेत्रों में अनुकूलता खोजने की क्षमता है। आसियान में भारत के लिए देश समन्वयक के रूप में वियतनाम की भूमिका 2018 में बंद हो जाएगी। जबकि लुक ईस्ट और एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत संबंध बढ़े हैं और आगे बढ़ने के लिए उन्हें व्यावहारिकता में कारक बनाने की जरूरत है, जो संबंध आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं।

GS World टीम...

भारत-वियतनाम संबंध

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन दिवसीय वियतनाम दौरे पर हैं। श्री कोविंद इस दौरान देश के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तौर तरीकों पर चर्चा भी की।
- कोविंद की राष्ट्रपति के तौर पर दक्षिण पूर्व एशिया और आसियान क्षेत्र की यह पहली यात्रा है।
- पिछले साल भारत-वियतनाम का द्विपक्षीय व्यापार 12.8 अरब डॉलर था। जो 2020 तक 15 अरब डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता हैं।
- इससे पहले वियतनाम के दिवंगत राष्ट्रपति हो ची मिन्ह की 1958 में भारत की 11 दिनों की ऐतिहासिक यात्रा की थी।

भारत का अहम सामरिक हिस्सेदार

- मोदी की अगुवाई में भारत की 'ईस्ट पॉलिसी' में वियतनाम अहम सामरिक हिस्सेदार है।
- पीएम मोदी के दौरे का मकसद व्यापार, डिफेंस और सिक्योरिटी समेत तमाम द्विपक्षीय संबंधों को और भी मजबूत करना है।
- वियतनाम ASEAN में भारत के लिए मौजूदा कोऑर्डिनेटर देश है।
- यह ASEAN में सिंगापुर के अलावा चोटी के दो रणनीतिक साझेदार देशों में शामिल है।
- दोनों देश अपने-अपने क्षेत्रों में बढ़ते आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित किया है।
- भारत-वियतनाम आर्थिक रिश्तों में इजाफा हो रहा है। दोनों देशों के बीच पिछले वर्ष 12.8 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था।
- ऐसा अनुमान है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार वर्ष 2020 तक 15 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

पृष्ठभूमि

- वियतनाम और भारत महज खास दोस्त ही नहीं हैं, बल्कि दोनों का आर्थिक दृष्टिकोण और सोच भी समान है।
- वियतनाम ने बीते दो दशक के दौरान शानदार आर्थिक विकास दर्ज किया है। वियतनाम में गरीबी में खासी कमी आई है, जो 1990 के दशक में 70 प्रतिशत थी और यह अब घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है।
- 1990 में वियतनाम का प्रति व्यक्ति जीडीपी 100 डॉलर था, जो आज बढ़कर 2500 डॉलर हो गया है।
- यह विकासशील देशों के बीच वियतनाम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. 'दोई-मोई नीति' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
   1. वियतनाम में राजनीतिक व आर्थिक नवीनीकरण हेतु यह नीति लाया गया।
   2. इस नीति की शुरुआत वर्ष 1986 में की गई।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: हाल ही में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद वियतनाम यात्रा पर गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, वियतनाम भारत के लिए किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है? स्पष्ट कीजिए। (250 शब्द)

नोट :
23 नवम्बर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) और 2(a) होगा।